



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY  
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

सं० 119]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 31, 1983/चैत्र 10, 1905

No. 119]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 31, 1983/CHAITRA 10, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31, मार्च, 1983

सा. का. वि. 306 (अ) :—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में यह आवश्यक और समीचीन है कि उस व्यक्ति के पक्ष में, जो विदेशी कम्पनी या (कम्पनी से भिन्न) ऐसा व्यक्ति है, जो अनिवासी है, और जिसके साथ खनिज तेल के पृथक्करण या उसका निष्कर्षण अथवा उत्पादन करने के किसी कार-बार में केन्द्रीय सरकार ने या उसके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति ने सहयोजन या भाग लेने के लिए करार किया है, आयकर की दर में कमी की बाबत छूट दी जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 293 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपबन्ध करती है कि—

(क) जहां किसी व्यक्ति की कुल आय ऐसे कारबार से प्राप्त केवल लाभों और अभिलाभों के रूप में है, वहां ऐसे व्यक्ति द्वारा उसकी कुल आय पर संदेय कर ऐसी कुल आय पर, ऐसी आय के 50 प्रतिशत की दर से, जिसमें ऐसे आयकर की ढाई प्रतिशत

की दर से परिकलित संघ के प्रयोजनों के लिए अभिभार बढ़ा दिया जाएगा, संगणित आयकर की रकम होगी :

(ख) जहां ऐसे व्यक्ति की कुल आय के अन्तर्गत ऐसे लाभ और अभिलाभ हैं, वहां उसके द्वारा उसकी कुल आय पर संदेय कर निम्नलिखित होगा :—

- (1) खण्ड (क) के उपबन्धों के अनुसार कुल आय में सम्मिलित उस खण्ड में विनिर्दिष्ट लाभों और अभिलाभों पर उसके द्वारा संदेय आयकर और अभिभार का जोड़ ;
- (2) कुल आय की रकम पर आयकर की औसत दर से, जो यदि उक्त खण्ड लागू न होता तो लागू रही होती, संगणित आयकर की रकम, जिसमें से खण्ड (क) में निर्दिष्ट लाभों और अभिलाभों की रकम कम कर दी जाएगी ।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

(क) “आयकर की औसत दर” से वह दर अभिप्रेत है जो कुल आय पर संगणित आयकर की रकम को ऐसी कुल आय द्वारा विभाजित करके निकाली गई हो ।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

- (क) “विदेशी कम्पनी” का वही अर्थ होगा जो आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80ख के खंड (4) में उसका है ;
- (ख) “खनिज तेल” के अन्तर्गत पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस है ।

[सं. 5150/एफ 133(79)/82-टी पी एल]

एम. एस. उन्नीनायर, अपर सचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 1983

**G.S.R. 307(E).**—Whereas the Central Government is satisfied that it is necessary and expedient in the public interest to make an exemption in respect of surtax in favour of foreign companies with whom the Central Government has entered into agreements for the association or participation of that Government or any person authorised by that Government in any business consisting of the prospecting for or extraction or production of mineral oils ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 24AA of the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), the Central Government hereby provides that no surtax shall be payable by such foreign companies.

Explanation.—For the purposes of this notification,—

- (a) “foreign company” shall have the meaning assigned to it in clause (4) of section 80B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) ;
- (b) “mineral oil” includes petroleum and natural gas.

[No. 5150/F. No. 133(79)/82-TPL]

M. S. UNNINAYAR, Addl. Secy.